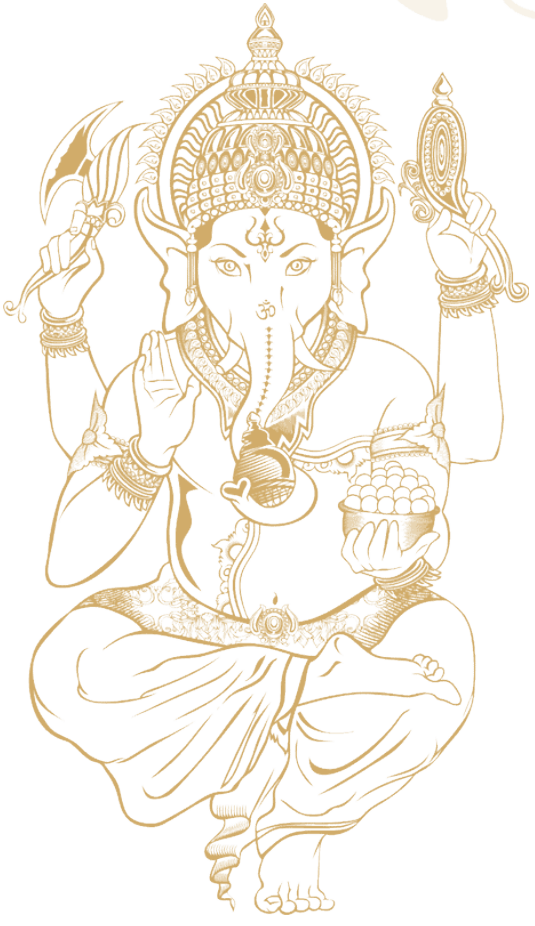

Yash girish oswal

Harshat

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121032104

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
28/06/1999 :	जन्म तिथि	: 6-07/03/2001
सोमवार :	दिन	: मंगल-बुधवार
घंटे 20:08:00 :	जन्म समय	: 02:50:00 घंटे
घटी 35:13:47 :	जन्म समय(घटी)	: 50:05:53 घटी
India :	देश	: India
Kolhapur :	स्थान	: Davangere
16:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 14:30:00 उत्तर
74:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:02:29 :	सूर्योदय	: 06:40:32
19:09:01 :	सूर्यास्त	: 18:35:17
23:50:48 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 0मा 26दि	27:37:15	धनु	लग्न	धनु	19:17:29	शनि 5वर्ष 6मा 3दि
सूर्य	12:37:22	मिथु	सूर्य	कुंभ	22:29:54	केतु
25/07/2021	09:23:01	धनु	चंद्र	कर्क	12:48:02	09/09/2023
25/07/2027	04:09:42	तुला	मंगल	वृश्चि	16:09:33	09/09/2030
सूर्य 11/11/2021	08:09:46	कर्क	बुध	मक	25:30:05	केतु 05/02/2024
चन्द्र 13/05/2022	06:11:15	मेष	गुरु	वृष	09:57:28	शुक्र 06/04/2025
मंगल 18/09/2022	26:42:27	कर्क	शुक्र	मीन	23:45:58	सूर्य 12/08/2025
राहु 12/08/2023	20:09:06	मेष	शनि	वृष	01:42:28	चन्द्र 13/03/2026
गुरु 31/05/2024	19:29:15	कर्क व	राहु व	मिथु	19:40:37	मंगल 09/08/2026
शनि 13/05/2025	19:29:15	मक व	केतु व	धनु	19:40:37	राहु 28/08/2027
बुध 19/03/2026	22:24:06	मक व	हर्ष	मक	28:23:16	गुरु 03/08/2028
केतु 25/07/2026	09:50:47	मक व	नेप	मक	13:48:36	शनि 12/09/2029
शुक्र 25/07/2027	14:32:45	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:22:29	बुध 09/09/2030

लग्न-चलित

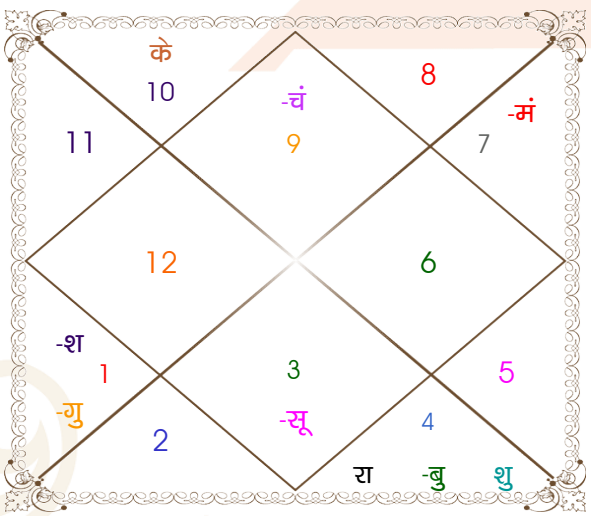

लग्न-चलित

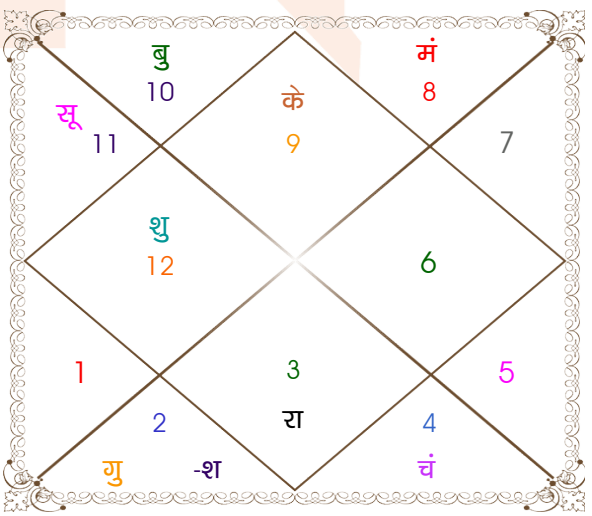

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Yash girish oswal का वर्ग मूषक है तथा Harshat का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yash girish oswal और Harshat का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Yash girish oswal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Harshat मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Harshat कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Harshat कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Yash girish oswal कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Yash girish oswal तथा Harshat में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।